AN ONTOLOGY OF INDIAN TRIBES

Chief Editor
Dr.Man Mohan Singh

Co-Editors
Dr.Ashish Kumar Gupta
Dr.Harendra Kumar

Head, Technical Team
Naeem Ahmed Siddiqui

AN ONTOLOGY OF INDIAN TRIBES

© Chief Editor
Dr. Man Mohan Singh
Co-Editors
Dr. Ashish Kumar Gupta
Dr. Harendra Kumar

❖ **Publisher :**
Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed (Maharashtra)
Pin-431126, vidyawarta@gmail.com

❖ **Printed by :**
Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed, Pin-431126
www.vidyawarta.com

❖ **Page design & Cover :**
Shaikh Jahuroddin, Parli-V

❖ **Edition:** 2021

ISBN 978-93-90618-62-0

❖ **Price : 300/ -**

All Rights Reserved, No part of this publication may be reproduced, or transmitted, in any form or by any means, electronic mechanical, recording, scanning or otherwise, without the prior written permission of the copyright owner. Responsibility for the facts stated, opinions expressed. Conclusions reached and plagiarism, If any, in this volume is entirely that of the Author. The Publisher bears no responsibility for them. What so ever.Disputes, If any shall be decided by the court at **Beed** (Maharashtra, India)

CONTENTS

Chapter	TITLE	AUTHOR	PAGE
1.	An Essence of Bastar Folk Art and Culture: A Critical Study of the Significant Tribal Life.	Dr. Vibhati Vasantrao Kulkarni	10-18
2.	Constitutional Provisions of the Scheduled and Tribal Areas of the Various States of India	Dr. Rais Ahmad	19-39
3.	Introspecting The Life of Tribal Woman in Mahasweta Devi's Rudali	Dr. Shubhi Bhasin	40-52
4.	A study of political socialization among tribal youth in Uttarakhand	Dr. Mahesh Mewafarosh	53-58
5.	भारतीय जनजातीय समाज की वास्तविकता: 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में	डा0 पूनम वर्मा डा0 पीयूष कुमार शर्मा	59-79
6.	युवागृह : जनजातियों में शिक्षा एवं समाजीकरण का एक अभिकरण	डा0 ज्ञानेश कुमार वर्मा	80-92
7.	सहरिया जनजातिः समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था	जितेन्द्र कुमार	93-114
8.	स्वतंत्रता के पश्चात जनजातीय विकास– गोंड़ जनजाति के विशेष संदर्भ में	डा0 शिवानी गोयल	115-129
9.	आदिवासी "कोरकू" की कला 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य मे	डा0 शाज़िया बेगम	130-139
10.	रं जनजातीय के सांस्कृतिक परम्पराओं के सन्दर्भ में एक अध्ययन (उत्तराखण्ड राज्य की रं जनजाति के विशेष सन्दर्भ में)	डा0 सुनील कुमार मौर्य	140-155
11.	उत्तराखण्ड में जौनसारी जनजाति की महिलाओं का संस्कृति के संरक्षण में योगदान	डा0 सुल्तान सिंह यादव	156-160
12.	जनजातीय अस्मिताः पहचान का संकट	डा0 अनुराग कुमार पाण्डेय	161-170
13.	जनपद उत्तरकाशी के भोटिया जनजाति में प्रचलित पारम्परिक सांस्कृतिक धार्मिक उत्सव/त्यौहार, एक अध्ययन	उषा रानी नेगी	171-179
14.	उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में जौनसारी जनजाति की लोक संस्कृति–एक विश्लेषण	डॉ0 पारूल भारद्वाज	180-190

Chapter- 10

रं जनजातीय के सांस्कृतिक परम्पराओं के सन्दर्भ में एक अध्ययन

(उत्तराखण्ड राज्य की रं जनजाति के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ०सुनील कुमार मौर्य
असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग,
स०भ०सि०राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रूद्रपुर,
ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड राज्य देवताओं का प्रदेश माना जाता है। इस प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्रफल ५३,४८४ वर्ग किमी० है। उत्तराखण्ड २८० ४३''से ३१०२०'' उत्तरी अक्षांशो तथा १७७० ३५'' पूर्वी देशान्तर से ८००५५'' पूर्वी देशान्तर तक फैला हुआ है। इस प्रदेश